

कुछ कर दिखाना है

जो चाहोगे
वो पाओगे

सफलता के लिए कदरत के कुछ नियम,
जिन्हें तोड़कर सफल होना मुमकिन नहीं।

अश्वनी राय



*

जो चाहोगे वो पाओगे

सफलता के लिए कुदरत के कुछ नियम
जिन्हें तोड़कर सफल होना मुमकिन नहीं

*

मनुष्य भाग्य से सफल नहीं होता।
प्रस्तुत है

*

सफलता की शुरुआत

*

सफलता के कुछ
नियम....

*

पुस्तक का नाम : जो चाहोगे
वो पाओगे

लेखक : अश्वनी राय

प्रकाशन वर्ष : २०१८

हिंदी : भाषा

सलाहकार : मित्र एवम् गुरु

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

परिवार, मित्र ऐवम सेवा

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

अगर आप अपनी सफलता के लिए कुछ पढ़ रहे हैं ,
आप पैदा ही सफल होने के लिए हुए हैं

*

जो चाहोगे
वही होगा

सफलता की कुछ सच्चाई,
जिन्हें हम झुठला नहीं सकते

*

कभी किसी की सफलता को उसकी किस्मत का नाम नहीं देना,
उस सफलता के पीछे की मेहनत और बलिदान सिर्फ वही जानता है

*

सफलता के प्राकृतिक नियमों का पालन कर के आप
जो चाहोगे
वो पाओगे

*

अनुक्रमणिका

- [1 प्रारंभ](#)
- [2 आप क्या चाहते हैं ?](#)
- [3 निश्चित लक्ष्य](#)
- [4 पक्का इरादा](#)
- [5 सोच बदले](#)
- [6 नज़रिया](#)
- [7 योजना और तैयारी](#)
- [8 विश्वास](#)
- [9 कार्य](#)
- [10 शुरुआत](#)
- [11 नेटवर्क](#)
- [12 लगन](#)
- [13 लगे रहिये](#)
- [14 डर](#)
- [15 असफलता](#)
- [16 भावनाएँ](#)
- [17 खुद को जाने](#)
- [18 आदत](#)
- [19 खुद को समय दें](#)
- [20 देना](#)
- [21 मौका](#)
- [22 खुद में है सब कुछ](#)
- [23 समय](#)

*

सफलता दौलत से खरीदने वाली वस्तु नहीं है

*

1

प्रारंभ

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

**अगर आपको कुछ नया और बड़ा चाहिए तो आपको उसके लिए कुछ नया और बड़ा
करना पड़ेगा**

*

पहले जो नहीं मिला है उसे हासिल करने के लिए पहले जो नहीं किया है वो करना पड़ेगा

सफल होने के लिए कुदरत के कुछ नियमों को यह पुस्तक है।

सफलता की परिभाषा को दो व्यक्ति एक समान नहीं बता सकते परन्तु असफलता की एक ही परिभाषा है उस इन्सान को जितनी मेहनत की जरूरत थी सफलता तक पहुँचने के लिए उस इन्सान ने उतनी मेहनत नहीं की

सबसे बड़ी चीज़ कुदरत कभी भी किसी के साथ भेद भाव नहीं करता कुदरत के लिए सभी एक सामान है चाहे वो अमीर हो, चाहे वो गरीब हो, चाहे वो शक्तिशाली हो, चाहे वो कमज़ोर हो, उसे परवाह नहीं आपकी या आपके घर की क्या परिस्थिति है कुदरत सिर्फ और सिर्फ आपकी मेहनत माँगती है

इसके बाद इन नियमों की खास बात यह है कि इन नियमों का प्रयोग कोई भी कर सकता है चाहे वो अमीर हो गरीब हो शक्तिशाली हो कमज़ोर हो कोई भी हो वो इन नियमों को पालन कर सफल हो सकता है

हमारे युवाओं के पास असफल होने के बहुत से बहाने हैं और वहीं दूसरी जगह हमारे बुजुर्ग कहते हैं, आज के युग में सफल न होने के लिए कोई भी बहाना नहीं है क्योंकि उनका मानना है उनके समय में इतनी सुविधाएँ नहीं थी फिर भी वो सफल हुए तो आज के समय में तो सारी सुविधाओं के साथ सफल होना आसान है

आपको जितनी बड़ी सफलता चाहिए उतनी बड़ी मेहनत करनी पड़ेगी सफलता किसी को भी बैठे बिठाये नहीं मिलती सफलता को कमाना पड़ता है

लोग अक्सर आपकी सफलता देखेंगे परन्तु आप उस मंजिल तक किस परिश्रम से आये, कौन कौन से बलिदान दिए हैं, कौन - कौन से मुश्किलों का सामना कर के वहाँ पहुँचे हैं ये सिर्फ और सिर्फ आप जानेंगे

अलीबाबा.कॉम के फाउंडर जैक मा को देख के कोई यकीन नहीं करेगा कि वो अपने स्कूल के शुरुआती दिनों में एक बार में परीक्षा पास नहीं कर पाते थे इंग्लिश सीखने के लिये उन्होंने ट्रिस्ट गाइड का काम किया वो अपनी जिन्दगी में 30 बार रिजेक्ट हुए फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी उनकी लगातार कोशिश ही है कि जो वो आज चाइना के सबसे बड़ी कंपनी के फाउंडर हैं

कुछ लोगों का मानना होता है कि जो लोग सफल हो रहे हैं वो उनसे ज्यादा समझदार, ज्यादा होशियार होते हैं परन्तु ऐसा बिल्कुल भी नहीं है सिर्फ और सिर्फ फर्क होता है तो सफल लोगों कि कोशिश और उनकी मेहनत में

याद रखिये आप से ज्यादा होशियार कोई नहीं है क्योंकि सभी इन्सान समान तरीके से जन्म लेते हैं, समान तरीके से भोजन करते हैं और समान तरीके से मरते हैं

सफल होने की इच्छा रखने वाला कोई भी व्यक्ति इस किताब को पढ़ेगा, इसकी गंभीरता से पालन करेगा और उसे कुछ लाभ न हो ऐसा नामुमकिन है

इस पुस्तक से जो आप सीखेंगे, और सीख के अगर पालन करते हैं, तो ये आपके जीवन का एक नया मोड़ हो सकता है यह पुस्तक आपके जीवन में खलबली मचा सकती है आपको मंजिल तक ले जाने के लिए

इन नियमों का पालन कर के आप दुनिया के बड़े से बड़े लक्ष्य हासिल कर सकते हैं, और दुनिया की कोई भी ताकत नहीं है जो आपको रोक सके

कुदरत कहता है, उसके नियमों को मान कर कोई भी सफल हो सकता है, और जिस किसी ने उसके नियमों को नहीं माना, उसे हार का सामना करना पड़ा उदाहरण के लिए, कुदरत का नियम कहता है पहले बीज बोना पड़ेगा उसके बाद फसल काट सकते हो इसका उल्टा आज तक कोई नहीं कर सका

इस किताब में बताई गयी बातें किसी विशेष जमाने से, दुनिया के किसे विशेष हिस्से से, या मनुष्य के किसी समूह से सम्बंधित नहीं है ये कुदरत के नियम हैं, जिसे कोई पसंद करे या न करे, सबके लिए एक समान है

जितने भी नियम बताए गये हैं वो मेरे खुद के द्वारा नहीं बनाये गए ये कुदरत के नियम हैं ऐसा भी हो सकता है कि जो कुछ आप पढ़ो, उसमें से बहुत कुछ आपको पता हो, क्योंकि ये कुदरत के नियम हैं।

आज के युग में सब कुछ करना आसान है, पहले के युग में ऐसा नहीं था आज एक चाय बेचने वाला लड़का प्रधानमंत्री बनता है, एक अखबार बेचने वाला लड़का राष्ट्रपति बनता है आज एक युवक अपनी कंपनी खोल सकता है

लेकिन सिर्फ इस किताब को पढ़ने से कुछ नहीं होगा, जब तक आप इन नियमों को आचरण में नहीं लाते, क्योंकि इसमें से बहुत से नियमों के बारे में इन्सान को पता होता है, पर वो आचरण में नहीं लाता. जैसे कर भला तो हो भला, परन्तु बहुत कम लोग इसे आचरण में लाते हैं

“सफल होना बहुत आसान है” इस पर यकीन करना मुश्किल है जिस दिन आपको खुद पर यकीन हो गया, उस दिन आपके लिए भी सफल होना आसान होगा

परन्तु सफल होने के लिए आपको यह तय करना होगा कि आपकी सफलता कि परिभाषा क्या है, और क्या मिलने पर आप खुद

को सफल मानोगे सफलता कि पहली सीढ़ी है लक्ष्य बनाना एक बार अपने अपना लक्ष्य बना लें, और आप उसके लिए काम करते रहें, सफलता कि बाकि सीढ़ियाँ अपने आप चढ़ते जायेंगे

एक बार आपने लक्ष्य बना लिया और ठान लिया तो लक्ष्य तक जाने के रास्ते अपने आप बनते जाते हैं लक्ष्य तक पहुँचने के लिए सिर्फ और सिर्फ आपको चलते रहने के नियम का पालन करना होगा जो रुक गया वो सफलता तक नहीं पहुँचता जो चलता रहे वो सफलता तक एक न एक दिन जरूर पहुँचेगा इसके उदाहरण में आप Karoly Takacs शूटिंग प्लेयर को देख सकते हैं

रास्ते में मुश्किलें बहुत आएंगी सोचिये आप साइकिल पर स्कूल जा रहे हैं रास्ते में पेड़ गिरा है क्या आप घर वापिस आते हैं ? नहीं न, आप पेड़ के निचे से या फिर साइकिल उठा के पेड़ के ऊपर से, या फिर किसी दूसरे रास्ते से स्कूल जरूर जाते हैं ऐसे ही मुश्किलों के नीचे से, दाएँ से, बाएँ से, ऊपर से, जहाँ से आपकी कम ताकत लगे आप वहाँ से जाइये पर रुकना नहीं है, हारना नहीं है

याद रखिये लक्ष्य तक पहुँचने तक रुकना नहीं है, हारना नहीं है, कोशिश जारी रखनी है जो रुकता नहीं वह लक्ष्य तक जरूर पहुँचता है और सफल होता है

*

सफल व्यक्ति और असफल व्यक्ति में फर्क सिर्फ इतना होता है, सफल के पास कोई बहाना नहीं होता और असफल के पास बहानों की लिस्ट होती है

*

2.

आप क्या चाहते हैं ?

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

अगर आपको नहीं पता कि आपको क्या चाहिए तो आप कार्य किसके लिए करेंगे

किंसी भी काय को करने से पहले हमें ये पता होता है कि हम ये काय क्यों कर रहे हैं अथवा हमें इससे क्या लाभ होगा

उसी तरह हमें यह मालूम होना चाहिए कि हमें अपने लक्ष्य से क्या चाहिए तभी हम उसके लिए काम कर सकते हैं और उसके लिए रास्ता बना सकते हैं

जिस मुसाफिर को पता ही नहीं कि उसे जाना कहाँ है वो मुसाफिर जाएगा कहाँ किसे पता

इसीलिए किसी भी कार्य को करने से पहले उस कार्य को करने की वजह क्या है, ये जानने की कोशिश करिए की क्या यह कार्य आपको आपके लक्ष्य की तरफ बढ़ने में मदद करेगा। जैसे एक घोड़े को रेस के मैदान में पता होता है कि उसे फिनिश लाइन तक सबसे पहले पहुँचना है, तभी वह उस तरफ पूरी रफ्तार से दौड़ता है, अन्यथा अगर उसे पता ही नहीं होता कि उसे जाना कहाँ है तो वह किसी और दिशा में दौड़ रहा होता जब आपको पता होता है कि आपको क्या चाहिए तो आस पास का कुछ नहीं दिखता सिवाए जो आपको चाहिए आपका पूरा फोकस उस तरफ होता है जो आपको चाहिए आप को साफ दिखता है कि आपको क्या चाहिए, और साफ दिखना अपने आप में एक ताकत है जो आपको आपके लक्ष्य तक जाने में आपकी एकाग्रता को इकट्ठी रखती है

*

परिस्थितियाँ मनुष्य को नहीं बनाती हैं,
मनुष्य परिस्थितियों को बनाता है

*

3.

निश्चित लक्ष्य

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

अगर लक्ष्य निर्धारित कर लिया, मतलब आपको पता है, आपको जाना कहाँ हैं

सफल होने के लिए जो पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम है, वह है लक्ष्य का निर्धारण करना हमें क्या चाहिए और क्यों चाहिए, ये जाने बगैर कुछ भी करना व्यर्थ है

जिन लोगों का लक्ष्य उन्हें पता होता है, वो काफी रफ़्तार से आगे बढ़ते हैं क्योंकि उनके सामने सिर्फ़ और सिर्फ़ उनका उद्देश्य होता है

जब द्रोणाचार्य ने अर्जुन से पूछा कि तुम्हें क्या दिख रहा है ? अर्जुन ने कहा मुझे चिड़िया कि आँख दिख रही है जिस तरह अर्जुन को अपना लक्ष्य साफ़ और स्पष्ट दिख रहा था, उसी तरह आपको भी अपना लक्ष्य साफ़ और स्पष्ट दिखना चाहिए जब तक आपको पता नहीं है कि आपको जाना कहाँ है, तब तक आप कहाँ जायेंगे ये किसे पता।

जब तक आपको पता नहीं कि आपको चाहिए क्या तब तक आपको मिलेगा क्या ये किसे पता।

लक्ष्य को कागज़ पर साफ़ साफ़ लिखना लक्ष्य प्राप्ति की तरफ़ पहला कदम है यह निश्चित करना कि क्या चाहिए, कितना चाहिए, क्यों चाहिए, और कैसे मिलेगा ये सब जाने बगैर कुछ भी करना व्यर्थ है

लक्ष्य निश्चित करना कि क्या चाहिए, कितना चाहिए, क्यों चाहिए, कैसे मिलेगा, कब तक चाहिए ये 5 चीज़ें अगर आपको पता है तो आपको कोई नहीं रोक सकता आपके लक्ष्य तक पहुँचने से, कोई भी नहीं

SMART फार्मूला होना बहुत जरूरी आपके पास अपने लक्ष्य के लिए इस से आप बड़ी असानी से अपने लक्ष्य की तरफ़ बढ़ते हैं SMART फार्मूला कुछ इस प्रकार है –

S – Specific (निश्चित करना) क्या चाहिए

M – Measure (मापना) कितना चाहिए

A – Action (कार्य) प्लानिंग कैसे मिलेगा

R– Realistic(वस्तुवादी) मुमकिन है या नहीं

T –Timeline (समय) कब तक चाहिए

उदाहरण के लिए :-

S - Specific – (निश्चित) क्या चाहिए

Guinness Book of World Record में अपना नाम दर्ज करवाना

M –Measure (मापना) कितनी बार चाहिए

10 बार

A – Action (कार्य) प्लानिंग कि कैसे मिलेगा

प्रैक्टिस 1 मिनट सबसे ज्यादा बार करना

R– Realistic(वस्तुवादी) मुमकिन है या नहीं

मुमकिन है मैं कर सकता हूँ

T –Timeline (समय) कब तक चाहिए

अगले 3 साल में 12 /05 /2021 तक

दूसरा उदाहरण :-

S – Specific (बुलेट लेना है)

M – Measure (1 ही लेना है)

A – Action (कुछ सेविंग्स हैं, कुछ कमाना है)

R– Realistic (हाँ मैं कर सकता हूँ)

T –Timeline (1 साल 12 /05 /2019)

इस फॉर्मूले को आप अपने किसी भी लक्ष्य के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं विद्यार्थी अपने माक्स के लिए, बिजनेसमैन अपने टारगेट के लिए, या कोई भी इसका इस्तेमाल कर सकता है

लक्ष्य तय करना लक्ष्य प्राप्ति की शुरुआत है लक्ष्य निर्धारित होने के बाद लक्ष्य प्राप्ति के लिए खुद को पागल करना अपने लक्ष्य को हमेशा अपने नजरों के सामने रखना, सोते – जागते, खाते – पीते, हर वक्त आपके ख्यालों में आपका लक्ष्य होना चाहिए आपकी डायरी, आपके मोबाइल, आपके रूम में, उस हर जगह आपका लक्ष्य लिखा होना चाहिये जहाँ आपकी नजरें बार बार जाती हैं, ताकि आपको आपके लक्ष्य की याद आए और आपके अन्दर लक्ष्य तक पहुँचने की उत्तेजना बनी रहे

ऐसा माना जाता है की कोई चीज़ आपकी नजरों से दूर चली जाये तो आप उसे भूल जाते हैं और उसकी उत्तेजना कम हो जाती है, उसे चाहने की इच्छा कम हो जाती है और सारा खेल उत्तेजना अथवा इच्छा का ही है आपका लक्ष्य ही आपका सब कुछ होना चाहिए असफल इन्सान लक्ष्य के बिना होता है, या फिर वह अपना लक्ष्य बदलता रहता है और सफल इन्सान के पास निश्चित लक्ष्य होता है, उसको खुद पर विश्वास होता है

एक सर्वे के हिसाब से जिन लोगों ने अपनी ज़िन्दगी में लक्ष्य निर्धारित किये होते हैं उन लोगों को अगर मंजिल से पहले कोई बीमारी होती है तो वो लोग उस बीमारी से लड़ के अपने लक्ष्य तक पहुँचते हैं वहीं दूसरे लोग बीमारी के गम में मर जाते हैं

लक्ष्य का सपना

लक्ष्य निश्चित कर लेने के बाद आप अपने मन में लक्ष्य को पाने का विश्वास इस तरह भर दें कि जब आप अपने लक्ष्य को सोच के अपनी आँखें बंद करें तो आपको ऐसा महशूस हो कि आप अपने लक्ष्य तक पहुँच गये हैं

एक बार एक आदमी एक पहाड़ पर चढ़ रहा था उस आदमी का एक पैर नहीं था नीचे से दूसरा आदमी आ रहा था, उसने उसे देखा और कहा तुम ऊपर नहीं जा पाओगे ऊपर हमारे लिए दोनों पैरों से जाना मुश्किल है, तुम्हारा तो एक पैर ही नहीं है उस आदमी ने कहा सर मैं ऊपर तो कबूका पहुँच गया हूँ, बस ऊपर फोटो खिचवाना बाकी है वो आदमी अपने विश्वास से कह रहा था कि ऊपर तो वो हर उस बार पहुँचा है जब जब वो अपनी आँखें बंद कर सपना देखता था

ऐसे ही आपको भी अपने लक्ष्य के प्रति विश्वास हो की जब आँखें बंद करें तो आपको आपका लक्ष्य सामने दिखे आप उसे महसूस कर सकें

निचोड़ :-

1 . लक्ष्य निश्चित करें

2. लक्ष्य पाने का विश्वास अपने मन में उतारें

सफलता आपकी ओर खिंची चली आएगी ऐसे व्यक्ति के लिए कुछ भी असंभव नहीं जिसे पता है, उसे क्या चाहिए, क्यों चाहिए, और कब तक चाहिए।

कोई भी ऐसी ताकत नहीं है, जो लक्ष्य तक पहुँचने के लिए इन्सान को हमेशा के लिए रोक के रख सके

निश्चित लक्ष्य और लक्ष्य तक पहुँचने का विश्वास रखने वाले इन्सान से मिलने पर एक सकारात्मक उर्जा मिलती है

अश्वनी राय

*

विद्यार्थी तैयार हो जाये तो, गुरु अपने आप मिल जाते है

*

4.

पक्का इरादा

www.Youtube.com/Erashwanirai

क्या चाहिए आपको ? ये जानना या लक्ष्य निर्धारित करना पहला कदम है सफलता के और लक्ष्य को पाने के लिए दूसरी जरूरी चीज़ है आपको लक्ष्य पाने कि कितनी उत्तेजना है, लक्ष्य को पाने का इरादा कितना पक्का है सफलता के कुछ नियम में से जो नियम अब मैं आपको बता रहा हूँ, वह है उत्तेजना आपके अंदर अपने लक्ष्य को पाने कि कितनी आग है, और कितना पक्का आपका इरादा है ये नियम कहता है, जब आपके पास उत्तेजना है, आपके अंदर आग है अपने लक्ष्य को पाने कि तो सामने बड़ी से बड़ी समस्याएँ क्यों न आएँ सब कि सब उस आग से जल के राख बन जाती है, आपके लिए एक दरवाज़ा बंद होता है, दूसरा दरवाज़ा अपने आप खुल जाता है, आपके अंदर कि उत्तेजना, अंदर कि आग हर मुश्किल से लड़ने की ताकत देती है, और आपके अंदर और काम करने लिए अपना लक्ष्य पाने के लिए जोश भरती है

सामने लक्ष्य हो और सीने में आग लगी हो, लक्ष्य को पाने कि एक उत्तेजना हो, दुनिया कि कोई भी ताकत नहीं जो आपको रोक सकती है, सिवाए आप खुद आदमी का इरादा पक्का हो, और सीने में आग लगी हो तो कमज़ोर आदमी के पास भी असीम शक्ति पैदा हो जाती है

आप दुनिया में कुछ भी हासिल कर सकते है, सिर्फ और सिर्फ सवाल एक है, उस चीज़ को हासिल करने कि आग कितनी है आपके अंदर

क्योंकि आदमी के पास अपने लक्ष्य के प्रति जितनी आग होगी, वो आदमी अपने लक्ष्य के लिए उतना पागल होगा, और जो आदमी अपने लक्ष्य के लिए पागल हो, तो इस से बड़ी सफलता कि कोई और गारंटी देने वाली चीज़ नहीं है, क्योंकि पागल का मतलब होता है :-

पा – पाना

ग – गतिशील

ल – लक्ष्य

महत्वपूर्ण और याद रखने वाली चीज़ ये है कि, लक्ष्य के लिए इरादा पक्का होना चाहिए शुरुआत में लक्ष्य कि इच्छा होगी और उस इच्छा को आपको इरादा में बदलना है

वरना इच्छाएँ तो वक्त के साथ बदलती रहती हैं याद करिए है जब आप 5 साल के थे तब आपको खिलौने की मोटरसाइकिल चाहिए थी, और जब आप 15 के हुए तो आपको सच की मोटरसाइकिल चाहिए, तो वक्त के साथ इच्छा बदल जाती है इसलिए जो लोग अपने लक्ष्य को इरादे में नहीं बदलते उनके लक्ष्य बदलते रहते हैं और जो लोग अपने लक्ष्य को इरादे में बदल लेते हैं वो फिर लक्ष्य पाने के बाद रुकते हैं

जब आप किसी लक्ष्य के पीछे पागल हो जाते हैं अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए तो पूरी कायनात जुट जाती है आपकी सहायता करने के लिए

*

5.

सोच बदले

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

बड़ा सोचें और बड़ा पायें

*

सोच अपने आप में एक ताकत है, इन्सान जैसा सोचता है वैसा बनता है, अगर इन्सान को लगता है की वो मजबूत है, तो मजबूत होता है और आने वाली सभी मुश्किलों से मुकाबला करता है

परन्तु अगर इन्सान को लगता है की वो कमज़ोर है, तो वो लड़ने से पहले ही हार मान लेता है

एक बार एक गाँव में बहुत बड़ा राक्षस रहता था पूरे गाँव को परेशान करता था गाँव के हर घर से दो रोटी उसे रोज़भेजी जाती थी

एक बालक उस गाँव में अपने रिश्तेदारों के घर आया हुआ था उसने गाँव वालों से पूछा आप सभी लोग मिल के इसे मार क्यों नहीं देते गाँव में सबका एक ही जवाब था ये इतना बड़ा और शक्तिशाली है इसका कोई गाँव वाला मुकाबला नहीं कर सकता जिसने भी इसके खिलाफ आवाज उठाई, वो लोग मारे गये

वो 12 साल का लड़का राक्षस के पास गया और बोला मैं तुमसे लड़ना चाहता हूँ अगर तुम हार गये तो ये गाँव छोड़ के जाना होगा तुम्हें राक्षस ने हँसते हुए कहा ठीक है और अगर तुम हारोगे तो मैं तुम्हें खा जाऊंगा बालक ने कहा ठीक है पूरा गाँव बात करने लगा कि आज तो ये बालक गया काम से, बड़े बड़े पहलवान मारे गये तो फिर ये तो फिर बालक है

राक्षस और बालक मैदान में उतरे बालक एक छोटा पत्थर और एक रस्सी ले के गया, राक्षस को लगा कि वो उसे एक हाथ से मार गिराएगा। राक्षस बालक की ओर दौड़ा, उसे मारने के लिए बालक ने रस्सी में पत्थर बांधा और दूर से ही उसे घुमाने लगा, जब राक्षस पास गया तब पत्थर उसकी आँख में लगा, और वो वही आपनी आँख पकड़ के बैठ गया, बालक ने फिर उसकी दूसरी आँख में पत्थर मारा. राक्षस अब कुछ देख नहीं पा रहा था। बालक और गाँव वालों ने मिल के राक्षस को मार डाला.

ऐसे अगर इन्सान कि सोच सकारात्मक हो तो वो बड़ा से बड़ा मुकाबला जीता जा सकता है

इसलिए हारने की सोच ले के कभी किसी ने जीत नहीं हासिल की, जीतने से पहले आपको खुद पर भरोसा होना चाहिए कि आप जीत सकते हो

जीतने के लिए सबसे पहली आवश्यकता है जीतने की सोच, जीतने का विश्वास

हम जो सोचते हैं हम वही बनते हैं इसीलिए जो चाहिये सिर्फ उसी पर अपनी सोच केन्द्रित कीजिये, जो नहीं चाहिये वो आपके लिए व्यर्थ है और उस ओर ध्यान ही मत दीजिये

असफलता के बारे में सोचने से असफलता मिलती हैं, सफलता के बारे में सोचने से सफलता मिलती है तो क्यों असफलताओं के बारे में सोचे

नकारात्मक सोच हमें मंजिल से दूर ले जाती है सही सोच हमें शक्ति प्रदान करती है

बड़ी सोच

याद रखिये बड़ा सोचने से यदि आपको कोई रोक सकता तो वो आप खुद हैं

आप जो चाहे वो कर सकते हैं, आप जो चाहे वो बन सकते हैं, चाहे वो चाय बेचना हो या फिर 125 करोड़ लोगों का प्रधानमंत्री बनना हो, ये आप निर्धारित करते हैं कि अपने सोचा कहाँ तक है

जब मेढकों (frog) के एक झुण्ड ने मोबाइल टावर पहली बार देखा तो कुछ मेढकों के मन में ये ख्याल आया टावर के सबसे ऊपर चढ़ के बाकि दुनिया का दृश्य देखने का अलग ही आनंद होगा और कुछ मेढकों ने ये माना कि ये इन्सानों कि वस्तु है हमें इससे क्या लेना देना जिन्होंने ऊपर से दृश्य देख के आनंद लेने कि बात कही थी उसमें से आधों ने पहले ही हार मान ली और कहा हमसे नहीं हो पायेगा कुछ मेढक टावर आधा चढ़ के उतर आये क्योंकि उससे आगे उन्हें लगा कि उनसे नहीं हो पायेगा क्योंकि जो मेढक नहीं गये थे वो नीचे से उनसे कह रहे थे, “आ जाओ वापिस कहीं गिर गये तो जान से जाओगे ये हमारा काम नहीं है, ये इन्सानों कि चीज़ है और उन्हीं का काम है” आधों को देख बाकि सभी नीचे आ गये सिर्फ एक मेढक टावर के शिखर पर पहुंचा और वहां से दुनिया के दृश्य का आनंद लिया जब वो नीचे आया तो सभी मेढकों ने उस से पूछा कि तुमने ये कैसे किया, तुम्हें डर नहीं लगा, फिर एक बूढ़े मेढक ने कहा क्योंकि ये बहरा है जो तुम लोग नीचे से कह रहे थे नहीं हो पायेगा वो आवाज इसके कानों तक नहीं गयी और ये कर गया

ऐसे हमारे जीवन में भी बहुत से लोग होते हैं जो कुछ करने से पहले ही हार मान लेते हैं, और कुछ लोग दूसरों कि बातें सुन कर अपने फैसले बदल देते हैं कोई एक ही होता है जो भीड़ से अलग चल के अपनी मंजिल तक पहुँचता है आप कौन से लोगों में आते हो ये आपको बेहतर पता होगा

अधिकतर जब मैं अपने सेमिनार में 12वीं क्लास या उस से ऊपर कि क्लास से पूछता हूँ, कि मंथली कितना कमाना चाहते हो. तो अधिकतर बच्चों का जवाब 20-30 हजार होता है और कुछ बच्चों का जवाब 50 होता है इस से ज्यादा कोई बढ़ता नहीं है और जब पूछे कैसे कमाना है तो जवाब होता है नौकरी कर के या अभी सोचा नहीं जब तक आप लाख कमाने के बारे में सोचेंगे नहीं तब तक आप लाख नहीं कमा सकते, जब तक आप मालिक बनने का सोचेंगे नहीं तब तक आप मालिक नहीं बन सकते यही वजह है कि अमीर और अमीर व गरीब और गरीब होता जा रहा है, क्योंकि गरीब कुछ बड़ा सोचता ही नहीं है, और अमीर कि शुरूआत ही बड़ी सोच से होती है

हर इन्सान के पास असीम ताकत है, वो जो चाहे कर सकता है, जो चाहे बन सकता है पर उसके लिए उस हिसाब से सोचना, उस हिसाब से कार्य करना, और मेहनत करना जरूरी होता है

*

नज़रिया बदलिए, नज़ारे बदल जायेंगे

*

6. नज़रिया

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

अपना नज़रिया जितना सकारात्मक रखेंगे आप उतना खुश रहेंगे

किसी भी बात में इतनी ताकत नहीं कि वो आपको खुशी पहुँचा सके या दुःख पहुँचा सके किसी भी बात को आपके देखने का नज़रिया यह तय करता है कि आप खुश होंगे या दुखी होंगे

जैसे कि इन्सान को जब कुत्ता कहा जाता है तो वो गुस्से में आ जाता है, क्योंकि उसे वो गाली के नज़रिये से देख रहा है जबकि कुत्ता एक जानवर है और बहुत ही वफादार है पर इन्सान उसकी बुराई देख कर अपने आप को उस से जोड़ता है, उसी जगह अगर इन्सान को शेर कहा जाये तो वो खुशी से फूला नहीं समाता क्योंकि उसे वो एक प्रशंसा के नज़रिये से देख रहा है, परन्तु सोचने वाली बात यह है कि शेर भी जानवर है, और बहुत ताकतवर है पर उसमें कुत्ते से ज्यादा बुराईयाँ हैं, धोखेबाज होता है, दयालु नहीं होता, मतलबी होता है पर इन्सान यहाँ सिर्फ इसकी अच्छाई देखता है, और खुद को अपने आप से जोड़ता है

तो इस से ये पता लगता है कि सब कुछ इन्सान के हाथ में है जैसा वो चाहे वैसा सोचे और वैसे रहे चाहे तो खुश रहे या दुःखी

याद रखें :-जिंदगी में हर चीज़ आपसे आपके लिए पूछती है **कि क्या करें ?**

आपका निर्णय ही बताता है कि आपका निर्णय आपको खुशी देता है या दुःख देता है

*

भाग्य भी तभी साथ देता है, जब आपकी तैयारी पूरी होती है।

*

7.

योजना और तैयारी

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

योजना में बिताया गया 1 मिनट आपका 10 मिनट बचाता है जब आप कार्य करते हैं

लक्ष्य निर्धारित करने के बाद उस तक कैसे पहुँचें उसको प्लानिंग करनी जरूरी है। अगर उसी कार्य को पहले किसी ने किया है तो उस से मिलें और उस से उसके विचार लें, उस से सीखें की उसने कौन सी गलतियाँ की, जिससे आप उससे कम समय में उस से अच्छा कार्य करें। उनकी तकनीक जानें उसके बाद अपने हिसाब से वो काम करें, अपनी योजना बनाएँ और उसके हिसाब से अपने लक्ष्य तक पहुँचें।

योजना अपने आप में एक ऐसी कला है कि अगर आप किसी कार्य को बिना योजना के करते हैं, तो उसमें से कुछ काम आधे-अधूरे रह जाते हैं। परन्तु वही एक काम अगर योजना के साथ करते हैं तो काम पूरा परफेक्ट होता है। जैसे कि आप शादी का उदाहरण ले सकते हैं, जो शादियाँ घर के लोग सम्भालते हैं उसमें कभी कुछ बाकि रहता है कभी कुछ और भागम भाग अलग से रहती है। क्योंकि घर के लोग किसी योजना के साथ काम नहीं करते हैं परन्तु वही काम अगर किसी इवेंट मैनेजर को दिया जाये तो सब कुछ बड़े आराम से और पूरे टाइम पर हो जाता है।

लक्ष्य की योजना बनाते समय आपको तीन बातों का अवश्य ख्याल रखना चाहिए

1. उस कार्य की सूची बनाये जो कार्य आप अपने भविष्य में करना चाहते हैं

2. अपने लक्ष्य के हिसाब से अपने कार्यों को प्राथमिकता दें

3. अपने लक्ष्य के प्रति हर कार्य के लिए हमेशा अनुशासन में रहे

आपको अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए जो कार्य करने हैं उन सभी कार्यों की सूची बनाएँ। अब उस सूची में से जो कार्य आपको रोज़करना है उसकी अलग से सूची बनाएँ।

सारी सूची बनाने के बाद, उस सूची में से जो कार्य की प्राथमिकता पहले है उसे पहले करें। आपको आपकी प्राथमिकता ज्यादा अच्छे तरीके से पता होगी, क्योंकि एक खिलाड़ी के लिए पहले उसकी प्राथमिकता गेम है फिर पढ़ाई है, परन्तु एक पढ़ाकू के लिए पहली प्राथमिकता उसकी पढ़ाई है फिर कोई और काम।

जिस हिसाब से आपने योजना बनायी है, आपको अपने कार्य की तैयारी भी उसी योजना के हिसाब से करना होगा, क्योंकि अगर आप तैयारी नहीं करते हैं तो आपने अभी तक जितनी भी मेहनत कि है सब बेकार हो जाएगी। तैयारी न करने का मतलब आपका लक्ष्य निर्धारित करना बेकार हो जाएगा, आपका योजना बनाना बेकार हो जाएगा, क्योंकि बिना तैयारी आप लक्ष्य तक पहुँच नहीं सकते।

तैयारी का और कोई तोड़ नहीं है, आप किसी के लक्ष्य और योजना नक़ल कर सकते हैं, परन्तु उसे हासिल करने के लिए तैयारी आपको खुद ही करनी पड़ेगी।

याद रखिए :-

भाग्य भी तभी साथ देता है, जब आपकी तैयारी पूरी होती है।

*

सफलता और असफलता कि शुरुआत खुद के विश्वास से होती है

*

8. विश्वास

www.Youtube.com/Erashwanirai

अगर आपको विश्वास है कि आप कोई काम कर सकते हैं तो दुनिया कि कोई भी ताकत आपको उस कार्य को करने से रोक नहीं सकती और अगर आपको विश्वास है की आप वह काम नहीं कर सकते तो वो काम आपसे कभी होगा ही नहीं जिस बात पर ज्यादा विश्वास करते हैं वही बात सत्य होती है

आपके पास सब कुछ होने बाद भी अगर आपको यह लगता है कि आप नहीं कर सकते तो आपके लिए सारे रास्ते बंद हो जायेंगे मुश्किलें आपके लिए एक बहाना बन जाएगीं

उसी जगह अगर आपके पास कुछ भी नहीं है और मन में विश्वास कि आप वो कार्य कर सकते हैं, तो आपके लिए अपने आप सारे रास्ते खुल जायेंगे, आप कुछ न कुछ जुगाड़ लगा लेंगे उस कार्य को करने के लिए

इसलिए हमें खुद पर विश्वास होना बहुत जरूरी है और ये हमारे ऊपर बहुत बड़ा प्रभाव डालता है **आपके जिंदगी में ये 5 विश्वास होना बहुत जरूरी है :-**

1. खुद पर विश्वास
2. अपनी योजना पर विश्वास
3. अपने कार्य पर विश्वास
4. अपनी मंजिल पर विश्वास
5. माता – पिता पर विश्वास

*

जो पहले कभी नहीं मिला वो पाने के लिए जो पहले कभी नहीं किया वो करना पड़ेगा।

*

9. कार्य

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

सफल लोगों में और असफल लोगों में जो सबसे बड़ा फर्क होता है वह काम करने कि लग्न और काम करने कि क्षमता का होता है

कार्य करने के कारण ही मनुष्य सफल होता है। सफल होना ही उसके कार्य का उसे फल मिलता है। सफल व्यक्ति अपने कार्य को पहली प्राथमिकता देता है, बाकि काम मौज मस्ती सब कुछ कार्य के बाद में परन्तु असफल व्यक्ति पहले मौज मस्ती करता है फिर वक्त मिलता है तो कार्य करता है, वरना अगले दिन पर टाल देता है।

याद रखिये आपका काम ही आपका सब कुछ है, आपका काम ही आपको सफलता तक लेकर जाएगा।

ध्यान दीजिये :-

दो अक्षर का लक (LUCK)

ढाई अक्षर का भाग्य

तीन अक्षर का नसीब

साढ़े तीन अक्षर किस्मत

चार अक्षर का मेहनत

ध्यान से देखिये मेहनत सब से बड़ी है, अगर आपकी मेहनत पूरी है तो आपके साथ आपका लक, आपका भाग्य, आपका नसीब, आपकी किस्मत सब कुछ आपका साथ देती हैं।

आपकी मेहनत ही आपके काम में आपको सफलता दिलाएगी और

सफलता = मेहनत

दोनों शब्द चार चार अक्षर के हैं इसलिए सफलता का मुकाबला सिर्फ और सिर्फ मेहनत कर सकती है, लक, भाग्य, नसीब, किस्मत, झूठ, फरेब ये सब सफलता और मेहनत से छोटे हैं।

जब तक आप कार्य करना शुरू नहीं करते, तब तक आप साधारण व्यक्ति रहते हैं, जिस दिन आपने अपने लक्ष्य के लिए काम करना शुरू कर दिया उस दिन से आप असाधारण व्यक्ति के लाइन में लग जाते हैं, जितनी जल्दी आप काम करना प्रारम्भ करेंगे उतना ही शीघ्र आप आपनी मंजिल पर पहुंचेंगे।

जो करना है, तुरंत करना है, जब तक आप साधारण लोगों से कुछ अलग नहीं करते हैं, तब तक आपके हालात साधारण लोगों से बेहतर नहीं होंगे।

आपकी परिस्थिति अपने आप नहीं बदल जाएगी, आपको उसके लिए कदम उठाना पड़ेगा।

जब तक आप नहीं बदलेंगे तब तक कुछ नहीं बदलेगा।

जो आप आज तक करते आ रहे हैं, वही अगर आगे भी करेंगे तो जो आपको आज तक मिलता रहा है वही आपको आगे भी मिलेगा।

Success

सफल होने के लिए

1. आपको क्या चाहिये यह तय कीजिये ?
2. साफ शब्दों में लिख लीजिये
3. पक्का इरादा बनाइयें
4. अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए योजना बनायें
5. पागल हो जायें अपने लक्ष्य के लिए
6. सूचि बनाये अपने कार्य कि जो आप अपने लक्ष्य के लिए करना चाहते हैं
7. हमेशा अपने लक्ष्य और अपनी योजनाओं को अपने सामने रखें
8. अपनी प्राथमिकता के हिसाब से कार्य करें
9. तुरंत काम में लग जायें
10. रोज़ अपने लक्ष्य के लिए कुछ न कुछ जरूर करें

Success

S – Select your goal

U – Unlock Your Potential

C – Commit Yourself to your Plan.

C – Chart of your plan & preparation.

E – Expect Problems

S – Stand with your commitment

S – Surrender Everything to God.

हमारे समाज में सफल लोगों से ज्यादा ज्ञान असफल लोगों के पास है फर्क सिर्फ इतना है कि असफल लोग सिर्फ सोच के छोड़ देते हैं, और सफल लोग कार्य में लग जाते हैं और वो सफल हो जाते हैं इस पुस्तक में जो भी नियम बताये गये हैं

जब तक आप इन नियमों को अपने कार्य में शामिल नहीं करते तब तक ये किताब सिर्फ एक कागज़ है, अगर आप नियम का पालन करते हैं तो लक्ष्य आपके सामने और सफलता आपके पास

गुरु आपको पढ़ा सकता है,
परीक्षा आपको खुद ही देनी पड़ेगी

*

जो जरूरी है, उस से शुरू करें, फिर जो संभव है उसे करें और कार्य करते करते आप
असंभव कार्य कर रहे होते हैं
किसी को कुछ कहने कि जरूरत नहीं,
सिर्फ और सिर्फ कार्य कर के दिखाना है

*

10.

शुरुआत

www.Youtube.com/Erashwanirai

हर किसी के पास शुरू न करने के 100 बहाने हैं, जैसे पैसे नहीं हैं, वक्त नहीं है, कुछ समय बाद करूंगा, लोग क्या कहेंगे, कुछ परिस्थिति बदल जाये फिर शुरू करता हूँ

सोचने वाली बात है, अगर शुरू नहीं करोगे तो परिस्थिति कैसे बदलेगी

इतिहास गवाह है, आप किसी नेक काम कि शुरुआत करें, बाकि दुनिया आपके साथ अपने आप जुड़ती जाएगी

किसी का इंतजार मत कीजिये, शुरुआत कीजिये क्योंकि जैसा आपके दिमाग में चल रहा है, वैसा समय कभी नहीं आएगा जो भी चीज़ आपके पास है उसके साथ शुरू करें बाकि चीज़ों का जुगाड़ अपने आप हो जाएगा परन्तु शुरुआत जरूर कीजिये और अभी कीजिये

एक बार में एक ख्याल 100 लोगों को इकठे आता है परन्तु सिर्फ और सिर्फ 5 लोग उस ख्याल पर कार्य करते हैं

इसलिए आज और अभी उठिए और अपनी मंजिल की तरफ चलने की शुरुआत कीजिये.

*

ये दुनिया शुरू ही नेटवर्क से हुई है

*

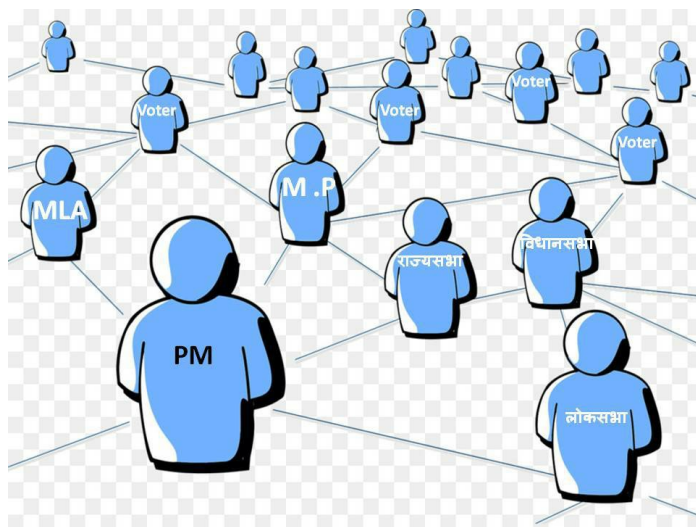
11. नेटवर्क

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

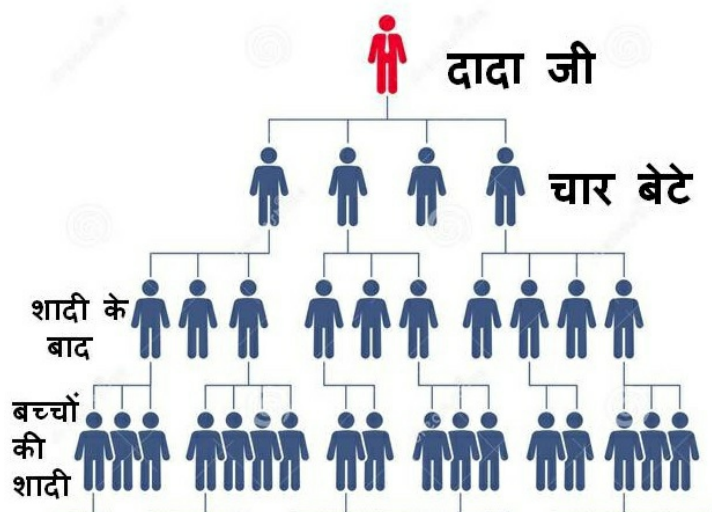
अमीर लोग नेटवर्क बनाते हैं और वो नेटवर्क उनके लिए काम करता है।

नेटवर्क का अर्थ लोगों से जुड़ना, नेटवर्क अपने आप में इतनी बड़ी ताकत है जिसके बारे में आप सोच नहीं सकते ध्यान से देखिये छोटी से छोटी चीज़ आपके आस पास है, वो आपके पास किसी न किसी नेटवर्क की वजह से है आप राजनीति की बात करिए, अगर लोग किसी पार्टी को सपोर्ट कर रहे हैं, तो इसका मतलब उस पार्टी ने अपना नेटवर्क बड़ा बनाया है



आप किसी भी प्रोडक्ट के बारे में सोच के देखिये अगर उसका नेटवर्क अच्छा है तभी वो मार्किट में चल रहा है जितना बड़ा नेटवर्क उतनी बड़ी मार्किट, इसलिए कुछ प्रोडक्ट सिर्फ और सिर्फ एक ही शहर में मिलते हैं जैसे कोई चूरन का पैकेट, कुछ एक राज्य में मिलते हैं जैसे कोई लोकल दूध का पैकेट, और कुछ पूरे देश में मिलते हैं जैसे पतंजलि का सामान, और कुछ पूरी दुनिया में मिलता है जैसे मैगी (maggi)

सब कुछ नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, पूरी दुनिया, एक एक इन्सान नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जैसे कि आपके दादा जी 4 भाई हैं, सबके 2 बच्चे हैं, उन दो बच्चों के 2-2 बच्चे हैं



आपको फोमेली 50 लोगों का नेटवर्क है

याद रखिये जितना बड़ा नेटवर्क उतनी बड़ी ताकत

तो आज से अपने आस पास के लोगों से नेटवर्क बनाना शुरू कीजिये आपकी मंजिल में कब कौन सा नेटवर्क काम आएगा ये आपको खुद नहीं पता नेटवर्क बनाने के लिए आपको कुछ खास करने कि जरूरत नहीं है। अपना व्यवहार सामने वाले के प्रति सही रखें, हर किसी का आदर करें, हर किसी से प्रेम बनाए रखें, अगर किसी को मदद कि जरूरत हो तो आप उसकी मदद करें, जब आपको जरूरत होगी वो आपकी अवश्य मदद करेगा

सोचिए आपके पास 100 अच्छे दोस्त हैं, मतलब आपके पास 100 लोगों का नेटवर्क है मान लीजिये भविष्य में आप आपनी कोई दुकान खोलते हैं तो आपके पास आपके 100 ग्राहक तो है न और अगर उन्होंने आगे 2 लोगों को भी बताया तो 300 ग्राहक तो आपको घर बैठे ही मिल गये

या मान लीजिये भविष्य में आपको या आपके परिवार के किसी सदस्य को खून चाहिए होगा तो आपके पास 100 लोग हैं जो आपको खून देने के लिए तैयार होंगे

या मान लीजिये भविष्य में आपको कभी 1 लाख रुपयों कि जरूरत पड़ती है, अगर आपने अपना नेटवर्क बढ़िया बनाया है, सबके साथ व्यवहार अच्छा है तो हर कोई 1 हजार रुपया दे तो आपके पास 1 लाख इकट्ठा हो जाएगा

नेटवर्क ऐसी चीज़ है, जो हर जगह काम आती है सवाल ये है कि आप उसे कितना संभाल के रखते हैं सरल भाषा में उसे जान पहचान कहते हैं

नेटवर्क दो तरह का होता है

1. गुड नेटवर्क 2. बैड नेटवर्क

Good नेटवर्क :-

अच्छे लोगों का नेटवर्क, अच्छे व्यवहार वाले लोगों का नेटवर्क, सपोर्ट करने वाले लोग, मदद करने वाले लोग, अच्छी सोच वाले लोग

Bad नेटवर्क :-

गुंडा, खाली लोग, टांग खींचने वाले लोग, मतलबी लोग, नशा करने वाले लोग, जो खुद कुछ नहीं करते और न किसी को कुछ करने देते

ध्यान रखिये हमेशा गुड नेटवर्क ही बनाये, क्योंकि जैसा नेटवर्क आप बनाते हैं वो नेटवर्क आपका व्यवहार वैसा बनाता है **जैसी संगत वैसी रंगत।**

परन्तु पहले समय खुद को और अपने लक्ष्य को दें, उसके बाद का समय अपने नेटवर्क को दें सिर्फ आपको अपना व्यवहार अच्छा रखना है नेटवर्क अपने आप बन जाएगा

नेटवर्क से आपको बहुत कुछ सीखने को मिलता है, आपकी स्किल्स में सुधार आता है, कॉन्फिडेंस आता है, ज्ञान बढ़ता है, डर खत्म होता है, टाइम मैनेज करना आता है

ध्यान रखिये आपकी स्किल्स ही आपको आगे बढ़ाती है, वरना थोरी तो सिर्फ और सिर्फ किताबों में पड़ी रहती है

नेटवर्क के बारे और जान ने के लिए मेरी नेटवर्क मार्केटिंग के ऊपर पुस्तक “ खुद को सुधारे और लोगों कि मदद करें “ पढ़िए

*

12. लगन

www.Youtube.com/Erashwanirai

अपने लक्ष्य में इतना डूब जाए कि उस कार्य को करते वक्त थकावट क्या होती है वो आप भूल जाये जिसको अपने काम से मोहब्बत होती है, वो कभी थकता नहीं है

परन्तु अगर इन्सान यह तय कर लेता है की वो कार्य करते समय 2 घन्टे में थक जाएगा, तो उसका ध्यान सिर्फ और सिर्फ घड़ी की तरफ होता है, और वो 2 घंटे से पहले ही थक जाता है, क्योंकि उसके दिमाग को ये कमांड मिल चुकी होती है की उसे 2 घंटे बाद थकना है

अपने कार्य को मेहनत और लगन से करें

क्योंकि आपको जिन्दगी में कुछ भी चाहिए तो उसकी कुछ न कुछ कीमत जरूर होती है, आप वह कीमत दीजिये और उसे ले लीजिये, यहाँ कीमत मेहनत के रूप में देनी है

ध्यान रखिये जो आप आज बोयेंगे वही आप कल काटेंगे, जो आपने पहले बोया था वो आप आज काट रहे हैं अगर कुछ उस से ज्यादा और बेहतर चाहिए तो आपको उस से ज्यादा और बेहतर बोना पड़ेगा

याद रखिये :-

जो आप बोते हैं | जो आप काटते हैं

1. ईमानदारी | विश्वास

2. विनम्रता | महानता

3. ज़िद | विजय

4. विचार | मेल मिलाप

5. मेहनत | सफलता

6. क्षमा | रिश्ते

7. खुलापन | घनिष्ठता

8. धैर्य | सुधार

9. विश्वास | चमत्कार

जो फल आज आप बोएंगे, वही फल आप कल काटेंगे

अच्छा काम करते हैं तो अच्छी आदत पड़ती है, अच्छी आदत होती है तो अच्छा चरित्र बनता है, और अच्छा चरित्र बनता है तो अच्छी मंजिल मिलती है

*

13. लगे रहिये

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

याद रखिये ज़िन्दगी में जो चीज़ आपको चाहिए वो नहीं मिलती, जो चीज़ आपको चाहिए ही चाहिए, चाहिए ही चाहिए वही आपको मिलती है

आपको हार कभी नहीं माननी है, कभी नहीं, कभी नहीं, कभी नहीं और कभी भी नहीं लगे रहना, सफलता एक ऐसी सीढ़ी है जहाँ लोग हार मान लेते हैं रास्ते में मुश्किलें बहुत आयेंगी, आपको रास्ते बदल के जैसे मर्जी मंजिल तक जाना है

जब तक आप लक्ष्य तक नहीं पहुँचते तब तक हार नहीं माननी आपको मेहनत करते रहना है, लगे रहना है

कुछ लोग मंजिल के लिए शुरुआत तो कर लेते हैं परन्तु जब बारी इस सीढ़ी पर चढ़ने कि आती तो हार मान लेते हैं, अगर आपको सफल होना है तो आपको ये सीढ़ी चढ़नी पड़ेगी, आपको लगे रहना है लगन के साथ

क्योंकि लगातार लोहे पर भी वार करें तो वो भी टूट जाता है

सफल होने वाला कभी हारता नहीं है, हारने वाला कभी सफल नहीं होता जितनी बड़ी मंजिल उतनी देर तक लगे रहना पड़ेगा

अपना तन, मन, धन सब कुछ अपने लक्ष्य के लिए लगा दो

*

याद रखिये आज हमारा है, कल भगवान का है, जो भी करना है आज करिए

*

14.

डर

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

F – False (गलत)

E – Evidence (सबूत (चीज़))

A – Appearing (दिखना)

R – Real (सही)

आप लोगों ने सुना होगा “**डर के आगे जीत है**”

डर लगना सामान्य है, हर किसी को डर लगता है, परन्तु जिसकी तैयारी पूरी हो उसे डर नहीं लगता या बहुत कम लगता है

याद कीजिये जब क्लास टेस्ट होता है अगर आपको नहीं आता है तो आपको डर लगता है, परन्तु जब आपको आता है तो आप बिंदास हो के बैठते हो

जिस काम को करने में डर लगता है, उस काम को बार बार करें, तब तक करें जब तक डर नहीं जाता, उसकी इतनी तैयारी करें कि आप उसके मास्टर बन जाएँ ध्यान दीजिये जिस दिन आप उसके मास्टर बन गए, उस दिन डर खत्म

कुछ न करने वाले लोगों से बहुत बेहतर वो लोग होते हैं जो लोग कुछ कर रहे होते हैं

रोज़ कुछ न कुछ कार्य ऐसा जरूर करें जो आपके डर को खत्म करे, यही गोल्डन रूल है डर पर जीत पाने के लिए

ध्यान दीजिये किसी से डरना है दुनियां में तो अपनी गन्दी आदतों से डरे, समाज की बुराईओं से डरें, कोई गलत काम करने से डरें

लोग क्या कहेंगे, यह सबसे बड़ा रोग है 80% लोग इसी से डरते हैं कि लोग क्या कहेंगे

हर किसी को एक न एक दिन शमशान घाट जाना है, और लोग उस दिन भी कहेंगे, बहुत अच्छा आदमी था जिसको जिस दिन यह समझ आ गया, उसका डर उस दिन खत्म हो जायेगा।

*

15.

असफलता

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

असफलता जितनी ज्यादा ,सफलता उतनी बड़ी.

असफल होना कोई बड़ेजतों की बात नहीं है, लोगों के मन में यह वहम है कि फेल हो गया तो लोग क्या कहेंगे, लोग कम कहते हैं हमें लगता ज्यादा है, और ऐसा है भी समाज उस इन्सान के पीठ पीछे बातें करता है, परन्तु सिर्फ उस इन्सान को पता है कि उसने क्या क्या सीखा है, उस फेल होने से, क्योंकि जब तक आदमी सीख रहा है तब तक वो असफल नहीं है सही मायने में असफल आदमी तब होता है जब वह प्रयास करना छोड़ देता है गलती करना शर्म की बात नहीं है, क्योंकि हम उस गलती से सीखते हैं। जो लोग गलती नहीं करते हैं वो लोग कुछ सीख नहीं रहे होते हैं, परन्तु एक गलती को बार बार करना अर्थात् अपने समय कि बर्बादी करना

असफलता से डरिये मत, असली मायिने में असफलता आपकी सीढियाँ हैं, सफलता के तरफ जाने के लिए क्योंकि असफलता से हमें सीखने को मिलता है, और सीख सीख के हम सफल हो जाते हैं

गलती न करने कि गारंटी वही इन्सान दे सकता है जो कुछ नहीं कर रहा होता है

जब भी कभी किसी कार्य में गलती हो तो लोग ये सोचेंगे आप असफल हो गये, उस वक्त आप मुस्कुराइएगा और कहिए आज एक और सीढ़ी ऊपर चढ़ गया सफलता की ओर और अपनी गलती को ढूँढे और साफ़ – साफ़ लिख लेना कि आगे से ये गलती नहीं होनी चाहिए

हल्का सा मुस्कुराइए क्योंकि एक बार असफलता आपकी एक सफलता की सीढ़ी है, आप जितनी बार असफल होंगे आप उतनी सफलता की सीढियाँ चढ़ते जायेंगे।

*

16. भावनाएँ

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

आपकी भावनाएँ आपके लक्ष्य से जरूर जुड़ी होनी चाहिए

अपने लक्ष्य को अपनी भावनाओं के साथ जरूर जोड़ें अगर ध्यान से देखें तो हर एक इन्सान जो सफल हुआ है, किसी न किसी भावना से जुड़ा हुआ है

Emotion (भावनाएँ) मतलब

E + Motion

हर युवा के अंदर **Energy + Mind** दोनों चीजें होती हैं। अगर युवा अपने लक्ष्य को अपनी भावनाओं के साथ जोड़े तो वो कुछ भी हासिल कर सकता है

आपने फिल्मों में देखा होगा, जब हीरो भावनाओं में कुछ करता है तो अकेले ही सब करता है, पागल हो जाता है वो अकेले ही सभी गुंडों को मारता है

सच में भावनाओं में एक अलग सी ताकत है, जो इन्सान में ऐसी उर्जा भरती है की उस वक्त इन्सान से कुछ भी करवा लो वो करने को तैयार होता है

आपने अपनी ज़िन्दगी में भी देखा होगा अगर किसी लड़के को कोई उसकी माँ कि गाली देता है, तो उस वक्त वो लड़का आग बबूला हो जाता है, और उस वक्त आप चाहे तो उस लड़के से सामने वाले इन्सान का क़त्ल भी करवा सकते हैं

मैं उसी भावनाओं कि बात कर रहा हूँ, उन भावनाओं को थोड़ा अपने लक्ष्य के तरफ लाएँ। सोचिये जिस माँ को अगर कोई गाली दे तो हम उसे मारने चले जाते हैं क्या उस माँ का एक सपना नहीं पूरा कर सकते कि हम अपनी माँ के लिए कुछ बन कर दिखाए, अपनी माँ का नाम रौशन करें

जिस बाप ने ज़िन्दगी भर कमाई की और कहा ले बेटा मौज कर क्या हम उसका नाम नहीं रौशन कर सकते

उठिए अपने लिए नहीं तो अपने माँ – बाप के लिए कुछ ऐसा कर दिखाइए कि दुनिया कहे बन्दे में दम है

*

इस किताब के जरिये एक वजह दे के जा रहा हूँ, कुछ ऐसा कर दिखाने के लिए जिस से दुनिया कहे बन्दे में दम है बस वजह याद रखिये माँ – बाप और लक्ष्य की तरफ बढ़ते जाना

*

17. खुद को जाने

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

जिसने खुद को जान लिया, वो दुनिया में कुछ भी हासिल कर सकता है

किसी भी कार्य को करने से पहले खुद के बारे में जान लीजिये, खुद के बारे में जानना बहुत जरूरी है इससे आपको अपनी काबिलियत के बारे में पता चलता है अथवा आपकी क्या कमजोरी है उसके बारे में भी पता चलता है

अगर इन्सान को अपनी काबिलियत और अपनी कमजोरी के बारे में पता है तो वो कुछ भी हासिल कर सकता है क्योंकि वो अपनी मंजिल की तरफ उस हिसाब से कदम बढ़ाता है कि उसे कोई नुकसान न पहुँचे

और अगर उसे खुद के बारे में पता है तो वो सबसे पहले ये जानने कि कोशिश करेगा कि जिस लक्ष्य तक उसे जाना है उस लक्ष्य के लिए उसे किस काबिलियत कि जरूरत है, और वो सबसे पहले उस काबिलियत को सीखेगा और फिर लक्ष्य की ओर जाएगा

खुद को जानने का आसान तरीका **SWOT:-**

S – Strength

W – Weakness

O – Oppourtunity

T - Threats

- **शक्तियाँ:** व्यक्ति या कंपनी के गुण जो लक्ष्य (ओं) को प्राप्त करने के लिए उपयोगी होते हैं
- **कमजोरियाँ:** व्यक्ति या कंपनी के गुण जो लक्ष्य (ओं) को प्राप्त करने के लिए हानिकारक होते हैं
- **अवसर:** बाहरी स्थितियाँ जो उद्देश्य (ओं) को प्राप्त करने के लिए उपयोगी होती हैं
- **खतरे:** बाहरी परिस्थितियाँ जो उद्देश्य (ओं) को नुकसान पहुँचा सकती हैं

अपनी शक्तियाँ जानने के लिए हर उस इन्सान कि मदद लीजिये जिसको आप जानते हैं, गुरु, माता-पिता, पड़ोसी, दोस्त, दुश्मन सबसे पूछिए कि आपकी शक्तियाँ क्या हैं आपकी कमजोरियाँ क्या हैं, जब भी किसी भी शक्ति का नाम सुने तो सोचें क्या वह शक्ति आपके अंदर है जैसे ईमानदारी, अगर नहीं है तो वो शक्ति अपने अंदर लाए ऐसे ही कोई कमजोरी के बारे में सुने जैसे कि ज्यादा लोगों के सामने न बोल पाना अब सोचिये, क्या ये कमजोरी आपके पास है अगर है तो इसे अपनी कमजोरियों में लिखें और इसे सुधारे और अगर नहीं है तो बहुत बढ़ियां

एक डायरी में अपनी शक्तियाँ और अपनी कमजोरियाँ लिख के रखें और जैसे-जैसे इसमें बदलाव आये उसे बदलते जाएँ।



*

18.

आदत

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

आपकी आदत आपकी ज़िन्दगी बना सकती है और आपकी ज़िन्दगी बिगाड़ सकती है

आदत इन्सान कि बहुत बड़ी ताकत होती है, बार बार किसी काम को करने से उस काम कि आदत पड़ जाती है जैसा योगा करना जिसकी आदत है, वह उसकी तंदरुस्ती का सबसे बड़ा राज है

ऐसा माना जाता है, अगर आप कोई काम लगातार 21 दिन तक करते हैं तो आपको उस काम कि आदत पड़ जाती है, जैसे कि अगर आप 21 दिन लगातार 6 बजे उठते हैं तो 22वें दिन आपकी नींद अपने आप 6 बजे खुल जाएगी

आदतें आपकी जिंदगी बदल देती हैं, अच्छी आदत आपको आपकी जिंदगी में आगे कि ओर ले के जाती है जैसे सैर करना, सुबह जल्दी उठना, सच बोलना, खाना चबा के खाना, मदद करना आदि और वहीं बुरी आदतें आपको पीछे कि ओर ले के जाती है जैसे झूठ बोलना, गाली देना, नाखून खाने कि आदत, किसी का आदर न करना, नशा करना

आप जैसी आदत डालोगे आपको वैसा परिणाम मिलेगा अब फैसला आपके हाथ में है कि आपको कैसी आदत अपनानी है और कौन सी आदत छोड़नी है

*

19.

खुद को समय दें

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

खुद को समय दें, आप दुनिया में खुद के लिए आए हैं।

कई बार अपने लोगों को अकेले खुद से बात करते हुए देखा होगा, अधिकतर दुनिया उन लोग को पागल समझती हैं परन्तु ये एक ऐसी आदत है जो इन्सान को खुद के लिए समय देती है, खुद की जिंदगी में जो परेशानियाँ हैं उस से निकलने का समाधान देती है ये आदत, खुद अपने लक्ष्य तक कैसे जाना है उसके लिए योजना बनाने में मदद करती है। इस आदत से मन शांत होता है और इन्सान के अंदर जो उलझन होती है वो दूर होती है। कई बार लोग परेशान होते हैं परन्तु उन्हें पता नहीं होता है कि वो क्यों परेशान है उसकी वजह है कि वो खुद से बात नहीं करते हैं, वो वजह जानने की कोशिश नहीं करते कि आखिर उन्हें समस्या क्या है। जब खुद का जवाब खुद को चाहिए तो सवाल भी तो खुद से करना पड़ेगा।

*

जो देंगे वो मिलेगा, पर पहले देना पड़ेगा

*

20. देना

www.Youtube.com/Erashwanirai

सफल लोगों और असफल लोगों में एक और फर्क होता है सफल लोग देने में ज्यादा विश्वास रखते हैं, उन लोगों का मानना है कि देने से अपने आप मिलेगा और असफल लोग सिर्फ लेना जानते हैं

जैसी कि आप किसी कि तारीफ़ करेंगे तो बदले में वो भी आज नहीं तो कल आपकी किसी अच्छाई की तारीफ़ करेगा

आप जहाँ नौकरी कर रहे हैं, वहाँ अगर आप ड्यूटी से ज्यादा या अपने काम से ज्यादा काम करते हैं तो आपके जल्दी प्रमोशन होने के ज्यादा चांस हैं, या तो फिर आपको ओवर टाइम मिलता होगा, आपका एक अच्छा चरित्र डिपार्टमेंट के सामने बनेगा जो कि भविष्य में आपके काम आएगा।

और ये ग्रंथों में भी लिखा हुआ है, दान करने से धन कम नहीं होता और ज्ञान देने से ज्ञान कम नहीं होता

असफल लोग काम के समय कहते हैं ये मेरा काम नहीं है, उतना करते हैं जितना उनका काम होता है, उन्हें ज़िन्दगी में सिर्फ उतना ही मिलता है जितना उन्होंने काम किया होता है, ज्यादा कभी मिलता ही नहीं क्योंकि उन्होंने कभी ज्यादा काम ही नहीं किया

अगर आप अपने काम से ज्यादा काम करते हैं या किसी और का काम करते हैं तो आपको दो फायदे होते हैं, एक तो आपको अपने काम से ज्यादा सीखने को मिलता है जिस से आने वाले भविष्य में आप अपने डिपार्टमेंट के ऑल राउंडर भी बन सकते हैं, दूसरा आपका लोगों के साथ व्यवहार बढ़िया होता है

अगर आपको ज्यादा चाहिए तो आपको ज्यादा देना पड़ेगा, अब जैसे हमारे देश में Reliance Jio को देखिये ज्यादा लेने के लिए उन्होंने ज्यादा दिया और ऐसा नेटवर्क दिया है Jio ने कि उसे ज़िन्दगी भर मिलता रहेगा

*

21. मौका

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

मौका हर किसी को मिलता है, कोई मौका पकड़ता है और कोई मौका छोड़ देता है

ऐसे ज़माने में असफल रहने के लिए कोई भी बहाना नहीं है
हर जगह अवसर है, दिमाग और आँखें खोल के रखें
किताब पढ़ें, समाचार पढ़ें, कोई खोज करें, क्योंकि कुछ जगह ज्यादा भीड़ है, कुछ जगह खाली हैं, सोचिये आप ऐसा क्या करें कि
आप भीड़ से अलग दिखें,
लोग जिस चीज़ से परेशान हैं, क्या आप उनको उस परेशानी से निकाल सकते हैं
मौका आपको मिलेगा आप उसका फायदा उठाते हैं या नहीं वो आप पर निर्भर है, जैसे आपको हर क्लास में टॉप करने का मौका
मिलता है। आप अपना और अपने माता – पिता का नाम एक गाँव , एक शहर, एक राज्य, एक देश, दुनिया, में रौशन कर सकते
हैं, परन्तु हर साल आप वो मौका गवां देते हैं
आपके पास कोई मौका लेकर नहीं आएगा, आपको मौका ढूँढना पड़ेगा

*

22.

खुद में है सब कुछ

www.Youtube.com/Erashwanirai

एक छोटी सी कहानी शक्ति के रहस्य से जुड़ी है

देवताओं ने जब मनुष्य बनाया तब, उसके बाद दूसरा सवाल यह था की किसको कितनी शक्ति देनी चाहिए, सबको एक समान शक्ति नहीं दे सकते थे, क्योंकि मनुष्य के अंदर एक शैतानों के गुणों का कलश और एक देवताओं के गुणों का कलश है, अगर सबको एक सामान शक्ति प्रदान कर देते तो जो मनुष्य सिर्फ और सिर्फ शैतानों के कलश के गुणों का उपयोग करते वो लोग आम मनुष्य को चैन से जीने नहीं देते

भरी सभा में इस बात पर चर्चा हुई, किसी ने कहा पर्वत के शिखर पर छुपा दो फिर ये हुआ कि मनुष्य कभी न कभी वहां भी पहुँच जाएगा, फिर किसी ने कहा समुद्र तल के नीचे छिपा दो फिर ये हुआ मनुष्य यहाँ भी कभी न कभी पहुँच जाएगा, एक अनुभवी देवता ने कहा इन्सान के अंदर ही शक्तियों का कलश रख देते हैं, इन्सान कभी खुद में नहीं झाँकता, पूरा संसार छान मरेगा और जो मनुष्य खुद में झाँकेगा उसको खुद कि कमियाँ दिखेंगी और जैसे - जैसे अपनी कमियों को सुधारता जाएगा वैसे वैसे शक्तियों के करीब पहुँचता जाएगा

इस कहानी से हमें ये सीखने को मिलता है कि सफल होने के लिए हमें जो भी चाहिए वो सब हमारे अंदर है,

आप वास्तव में देखिये इन्सान दूसरों कि गलतियाँ निकालता रहता है, दूसरों के घरों में झाँकता रहता है, परन्तु वही दूसरों को छोड़ के खुद के ऊपर ध्यान दे, तो कहाँ से कहाँ पहुँच जाये

हर एक इन्सान जो चाहे वो कर सकता है, सिर्फ खुद को जाने, और खुद से पूछे कि उसे क्या चाहिए

जो लोग खुद को नहीं जानते, जो लोग खुद से नहीं पूछते कि उन्हें क्या चाहिए वो लोग सिर्फ जीवन में आई चलाई कर रहे हैं वो सिर्फ खाना खा रहे हैं और सो रहे हैं

मन शांत कर के एक बार सोचिये “ आप हर रोज़सुबह किस लिए उठते हैं” आपके हर सवाल का जवाब आपके अंदर है आपकी परिस्थिति कैसे सुधरेगी इसका जवाब आपके पास है, आपका नाम रौशन कैसे होगा इसका जवाब भी आपके पास है

खुद को बदलने से आपकी पूरी दुनिया बदल जाती है

आज और अभी उठिए जुट जाइये अपनी परिस्थिति को बदलने में, लक्ष्य बनाइये, उसे हासिल करिए

*

23.

समय

www.Youtube.com/Erashwanirai

समय के ऊपर बहुत सी किताबें हैं, आप चाहे तो उन्हें खरीद सकते हैं, परन्तु आपका समय बचाने के लिये सभी किताबों का निचोड़ मैं आपको इस पुस्तक में बता देता हूँ, इसमें न आपके पैसे लगेंगे और न उसे पढ़ने में समय लगेगा

बहुत असान सी बात है, समझ सबको आती है, परन्तु इसका उपयोग बहुत कम लोग करते हैं

समय बहुत कीमती है उसका भरपूर उपयोग करिए इसमें हर एक चीज़ का आनंद लेना जरूरी है

समय का सही उपयोग करने का आसान तरीका है, रोज़रात में अगलें दिन अपने सभी कार्यों कि सूची बनायें और सबसे महत्वपूर्ण कार्यों को सबसे पहले लिखें

अगले दिन कुछ भी सोचे समझे बिना आप बनाई गयी सूची के हिसाब से पहला कार्य करना शुरू करें उसके बाद सूची वाले सारे कार्य खत्म करें उसके बाद सारा वक्त आपका है जो दिल चाहे वो करें परन्तु काम पहले

जिन्होंने जिन्दगी में काम को पहला दर्जा दिया है उन लोगों ने जिंदगी में मौज ज्यादा किया है

ऐसा एक बार 21 दिन कर के देखिये, अच्छा लगेगा और फिर आदत बन जाएगी।

एक टाइम टेबल फॉलो करने से लोगों कि जिंदगी बदल जाती है, हम फिर भी नहीं बनाते टाइम टेबल

हम हर वो मौज करना चाहते हैं जो हर एक सफल आदमी करना चाहता है, परन्तु हम हर वो काम नहीं करना चाहते हैं जो हर सफल इन्सान करता है

मार्क जुकरबर्ग facebook के मालिक आपको ज्यादातर एक ग्रे टी – शर्ट में ही नजर आयेंगे, क्योंकि उनका यह मानना है वो अपना रोज़का 15 मिनट समय ये सोचने में नहीं लगाना चाहते कि वो आज क्या पहनेंगे तो अच्छे लगेंगे

*

याद रखिये आप जिनके साथ रहते हैं, आप जो देखते हैं, आप जो पढ़ते हैं, आप जैसा सोचते हैं, आप वैसे बनते हैं तो अगर आप सकारात्मक रहना चाहते हैं तो आपको आस पास का माहौल भी सकारात्मक होना चाहिए

कुछ विचार

- अगर आप गंदे दौर से गुजर रहे हैं, तो चलते रहिये, बाहर निकलने का रास्ता आगे है
- अगर आप चाहते हैं तो अपनी ज़िन्दगी में कुछ कर के अपनी एक पीढ़ी (generation) को 10 पीढ़ियां आगे अम्बानी कि पीढ़ी के साथ खड़ा कर सकते हैं
- बड़ा लक्ष्य रखिये, बड़ा लक्ष्य ही आपको बड़ा बनाएगा
- एक बार ठान लिया कि कुछ करना है तो करना है, सब कुछ आसान लगेगा
- हमारी हालत के लिए हमारी परिस्थिति का दोष नहीं, हमारा खुद का दोष है
- मशीनों से काम लेना चाहिए और मनुष्य से विचार लेना चाहिए
- जब तक ज्ञान पर अमल नहीं तब तक ज्ञान एक आँधी है आएगी और चलेजाएगे
- हर एक चीज़ में हिस्सा लो, हर जगह से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है।

कुछ ना कर के पछताने से अच्छा है, कुछ कर के पछताएँ | आपको कुछ सिखने को मिलेगा |

अब लगे काम में एक काम मेरी तरफ से

स्वागत है आपका, आप फिर से शुरुआत में पहुंच गये हैं, इस किताब का अंत हुआ है और आपकी एक तरह से शुरुआत हुई है, अगर इन विचारों पर अमल करते हैं तो

याद रखिये ये पुस्तक उस में से नहीं जो एक बार पढ़ के रख दी जाये, आप इस पुस्तक को जिनती बार पढ़ेंगे उतनी बार आपके अंदर एक अलग सी आग लगेगी कुछ कर दिखाने की, तो जब भी मनोबल टूटे और आप खुद को कमजोर समझे तब इस पुस्तक को पढ़ियेगा

अब समय है कार्य करने का, लक्ष्य निर्धारित करने का, क्योंकि सोचते बहुत से लोग है परन्तु कार्य बहुत कम लोग करते हैं आज और अभी उठिए काम में लगिए क्योंकि कर्म ही सब कुछ है, सब कुछ मतलब सब कुछ

यहाँ तक हम आपके साथ थे, अब आगे कितनी उचाँई पर आपको जाना है ये आपको तय करना है, हम ऐसे ज़माने में हैं जहाँ रोज़ अवसर उपलब्ध होते हैं

मैंने ये पुस्तक लिखी और आपने पढ़ी, ये एक साधारण बात है, परन्तु आज के समय में साधारण नहीं है आपका ये किताब पढ़ना और अंत तक पढ़ना, ये दर्शाता है कि आपके अंदर वो आग है कुछ कर दिखने की

अगर ऐसा नहीं होता तो आप इसे पढ़ना तो दूर आप इसे खरीदते भी नहीं

मैं आपकी सफलता के लिए दुआ करूँगा, परन्तु कार्य आपको ही करना होगा

लक्ष्य बनाइये, योजना बनाएँ, काम में भिड़ जाएँ, नींद उड़ा दीजिये अपने लक्ष्य के लिए, सफलता हासिल कीजिये, उसके बाद का आनंद बहुत मीठा होता है

सफलता के लिए आपको शुभकामनाएँ और हमारा प्यार भरा नमस्कार।

एक काम मेरी तरफ से

हम सभी भारत वर्ष में पैदा हुए, ये बहुत सौभाग्य कि बात है, हम सबके लिए

हम इस देश के नागरिक हैं हमारी इस देश के प्रति कुछ जिम्मेदारियां हैं, जैसे कि अपने देश को साफ़ रखना, देश को शिक्षित करना। हमारे सिपाही बॉर्डर पर लड़ते हैं, हमें अंदर कि बुराईयों से लड़ना चाहिए

हर इन्सान के अंदर कुछ न कुछ अलग टैलेंट होता है, मैं चाहता हूँ आप अपने टैलेंट को पूरी दुनिया को दिखाओ मेरा सपना यह है कि अगर सबसे ज्यादा दुनिया में जनसंख्या हमारे देश कि है, तो सबसे ज्यादा Guinness World Record भी हमारे देश का होना चाहिए इस में मुझे आपका सहयोग चाहिए होगा, आपके अंदर कुछ भी टैलेंट है आप उसका रिकॉर्ड बनाओ और Guinness World Record में दर्ज करवाओ, जैसे कि

1 मिनट में सबसे ज्यादा जूस पीना 1 मिनट में सबसे ज्यादा नारियल तोड़ना 1 मिनट में ज्यादा लोगों को गले लगाना 1 मिनट में सबसे ज्यादा रोटी बनाना

कुछ भी बनायें पर कुछ तो जरूर बनायें और इस से आपका और आपके स्कूल, आपके माता पिता, आपके देश का नाम रौशन होगा समाज में आपको एक अलग निगाह से देखा जाएगा, जॉब में हर जगह आपकी एक अलग इमेज बनेगी, जो ये बतायेगा कि हाँ आपने जिन्दगी में कुछ हासिल किया है आपके रिश्तेदार आपका नाम गर्व से लेंगे अखबार में, टीवी में आपका नाम आएगा, आपको आपके दूसरे लक्ष्य के लिए मदद करेगा

Guinness World Record, Limca Book of Record, में आपना रिकॉर्ड बनायें इसमें कोई पैसा नहीं लगता और इसे करने से कोई पैसा नहीं मिलता है आप इन वेबसाइट पर जा के अप्लाई करें जब भी आप रिकॉर्ड बनाएँ हमें जरूर बताएँ, ताकि हम पता चल सके कितने लोग हमारे योगदान में हमारे साथ खड़े है, और जब कभी भी किसी बड़े रिकॉर्ड के लिए आपकी सहायता कि ज़रूरत हो हम आप से सम्पर्क कर सकें

यह छोटी सी पुस्तक आपको सेवा में प्रस्तुत करने का कारण यह है कि मुझे लगा कि बहुत से युवाओं के पास उनका लक्ष्य नहीं है, और हमारी इस छोटी सी कोशिश से किसी को लक्ष्य मिल जाए तो इससे बड़ी प्रसन्नता हमारे लिए कुछ और नहीं होगी

अगर आपको इस पुस्तक को पढ़ के थोड़ा भी लाभ हुआ है तो दूसरे लोगों में जरूर शेयर करें, वे ऑनलाइन बुक ऑर्डर कर सकते हैं। ये मत सोचिये लोग क्या कहेंगे, शायद आपकी एक सलाह से किसी को उसका लक्ष्य मिल जाये

इसके इलावा आपको कभी लगता है कि आपने जिन्दगी में कुछ सीखा है और उसे किताब में लिखना चाहिये तो हमसे कभी भी सम्पर्क कर सकते हैं। हमारे साथ हमेशा बने रहने के लिए हमारा Youtube चैनल सब्सक्राइब करें -

www.Youtube.com/Erashwanirai

अपने कुछ विचार बताने के लिए Facebook

www.facebook.com/Er.AshwaniRai

आपके विचारों का स्वागत है, आपके प्रश्नों का स्वागत है,

धन्यवाद

Er.Ashwani Rai (Amritsar)